

सोधक पुं. (तद्.) शोधक।

सोधणी स्त्री. (तद्.) 1. शोधन करने वाली औषधी
2. शोधन करने वाला यंत्र 3. झाड़ू, बुहारी।

सोधन पुं. (तद्.) 1. सुधारने का काम, ठीक करने का काम 2. खोज करने का काम, अनुसंधान करने की क्रिया 3. (ऋण आदि) अदा करने या चुकाने का काम।

सोधना स.क्रि. (तद्.) 1. साफ करना, शुद्ध करना
1. गणना करना, हिसाब लगाना 3. परीक्षा करना 4. अनुशीलन करना (जन्मपत्री, कुंडली आदि पर) विचार देना 5. अनुसंधान करना 6. ढूँढना, खोजना 7. गलती दुरुस्त करना 8. संशोधन करना 9. किसी वस्तु को स्वच्छ रखना, गंदगी दूर करना, सफाई करना 10. ऋण चुकाना, कर्ज देना, कर्ज अदा करना 11. औषध के लिए धातु (पारा, सोना आदि) की सफाई करना।

सोधस पुं. (तत्.) 1. जलाशय, तालाब आदि 2. किनारे का जल।

सोधाना/सोधवाना स.क्रि. (देश.) 1. ठीक कराना 2. दुरुस्त करवाना 3. साफ करवाना 4. खोज कराना।

सोधि क्रि.वि. (देश.) सोधने का कार्य करके, शोध कर।

सोधित वि. (तद्.) जिसका शोधन हुआ हो।

सोधी स्त्री. (देश.) 1. शुद्धि 2. सुध, स्मरण।

सोन पुं. (तद्.) 1. शोण, गंगा की एक प्रसिद्ध सहायक नदी जो दानापुर के पास उसमें मिलती है 2. एक जलपक्षी 3. सोना, 'सोना' का समासगत रूप लाल।

सोन किरवा पुं. (देश.) 1. सुनहले रंग और चमकीले परों वाला एक कीड़ा 2. खद्योत, जुगनू।

सोनकीकर पुं. (देश.) एक बड़ा वृक्ष।

सोन केला पुं. (देश.) चंपाकेला, पीला केला।

सोन गढ़ी पुं. (देश.) 1. सोनगढ़ (स्थान) 2. एक प्रकार का गन्ना।

सोन गहरा वि. (देश.) गहरा सुनहला (रंग)।

सोन गेरू पुं. (देश.) सोना गेरू, गेरू का एक भेद।

सोन चंपा पुं. (देश.) सोने के रंग का चंपा, पीला चंपा (वृक्ष/फूल)।

सोनचिरी स्त्री. (देश.) नर्तकी, नटी।

सोन जर्द पुं. (देश.+फा.) स्वर्ण यूथिका, सोनजूही, सोनजरद, सोनजिरद, सोने के समान पीले रंग वाला, सुवर्णपीत।

सोन जूही स्त्री. (देश.) जूही का एक प्रकार जो पीला होता है, स्वर्णयूथिका, सोनजूही।

सोन पंखी स्त्री. (देश.) रेशम का एक प्रकार का कीड़ा, सोना-माखी, सोना-मक्खी।

सोन पेडुकी स्त्री. (देश.) सुनहरापन लिए हरे रंग की एक तरह की चिड़िया।

सोनभद्र पुं. (तत्.) सोननदी।

सोनवाना वि. (देश.) सोने का बना हुआ, सोने के रंग का, सुनहला।

सोनहला वि. (देश.) सोने के रंग जैसा चमकदार।

सोनहा पुं. (तद्.) 1. कुत्ते की जाति का एक जंगली पशु जो बाघ को भी मार डालता है 2. एक पक्षी 3. लहसुन।

सोनहार पुं. (देश.) एक समुद्री पक्षी।

सोना पुं. (तद्.) 1. एक तरह का हंस 2. एक वृक्ष 3. पीले रंग की एक बहुमूल्य धातु जिसका प्रयोग प्रायः आभूषण बनाने में होता है, इसकी भस्म औषधि के रूप में भी प्रयोग की जाती है, स्वर्ण, कंचन अ.क्रि. लेटकर शरीर और मस्तिष्क को विश्राम देने वाली निद्रा की अवस्था में होना, नींद लेना।

सोना कुत्ता पुं. (देश.) कुत्ते की जाति का एक जंगली जानवर।

सोना गेरू पुं. (देश.) गेरू का एक भेद।

सोना पाठा पुं. (देश.) भारत और श्रीलंका में पाया जाने वाला एक ऊँचा वृक्ष, श्योनक।